आईटी, कृषि और वैकल्पिक ऊर्जा में आएगा बड़ा निवेश

तीन देशों की यात्रा से लौटे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सीएम को सौंपी रिपोर्ट, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में निवेश का ब्लू प्रिंट भी रखा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट को लेकर तीन देशों की यात्रा से लौटे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। इसमें उन्होंने बताया है कि आईटी, कृषि, वैकल्पिक ऊर्जा व दुग्ध उत्पादन में बड़ा निवेश आएगा। वे 7 से 16 दिसंबर तक मेक्सिको, ब्राजील और अर्जेंटीना की यात्रा पर थे।

अपनी रिपोर्ट में डिप्टी सीएम ने कहा कि मेक्सिको में कृषि, वैकल्पिक ऊर्जा, आईटी क्षेत्र के उद्यमियों से मुलाकात की। अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र का दौरा कर वैज्ञानिकों से यूपी में सेंटर खोलने पर चर्चा की। ब्राजील में ब्राजील इंडिया चैंबर और कॉमर्स, एथेनॉल व चीनी उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में निवेश पर उद्यमियों से बात हुई। उन्होंने निवेश का ब्लू प्रिंट भी रखा।

वहीं, अर्जेंटीना की चॉकलेट, कैंडी और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की सबसे बड़े उत्पादक कंपनी आरकोर, आईटी कंपनी ग्लोबैंट, कृषि से जुड़े क्रेसुड, अर्जेंटीना के

तीन देशों की यात्रा से लौटे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सोमवार को सीएम योगी आदित्यनाथ को रिपोर्ट सौंपी। -विज्ञप्ति

विदेश मंत्री सैंटियागो कैफिएरो व ऐतिहासिक फुटबाल बोका क्लब का दौरा कर अध्यक्ष जॉर्ज अमोर अमील से मुलाकात की। इस सभी से निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान उन्होंने निवेश का भरोसा दिया। पाठक ने उद्यमियों से कहा कि उनके लिए सभी सेक्टरों में निवेश के दरवाजे खुले हैं। प्रदेश सरकार पूरी तरह से व्यापारियों और उद्यमियों के साथ है।

अमेरिका, ब्रिटेन से आएगा चार लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश

सुरेश खन्ना की मौजूदगी में औद्योगिक घरानों से 21 एमओयू

लखनऊ। लंदन, न्यूयार्क और सैन फ्रांसिस्को के औद्योगिक घरानों के साथ यूपी में 4.07 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश पर सहमति बनी है। इसके लिए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह की मौजूदगी में 21 एमओयू हुए हैं। रोड शो और बीटूबी मीटिंग के दौरान प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों से लंबी वार्ता हुई। इन देशों के उद्यमियों को आईटी, अवस्थापना, स्वास्थ्य, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, पर्यटन व शिक्षा के साथ अन्य क्षेत्रों में निवेश का प्रस्ताव दिया गया। प्रतिनिधिमंडल में अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास अरविंद कुमार, सीएम के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी और सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह भी थे। ब्यूरो

सिंगापुर की टेक्नोलॉजी से सीखेगा यूपी

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने बताया कि उनके नेतृत्व में सिंगापुर गए प्रतिनिधिमंडल को काफी सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि सिंगापुर बहुत छोटा देश है। यहां पार्किंग और ट्रैफिक जैसे नियमों के पालन के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाता है। यहां प्रत्येक कार में चिप लगी है। अगर यह सेंट्रल बिजनेस एरिया में जाम की वजह बनती है तो खुद ब खुद अथॉरिटी को पता चल जाता है और उनसे सरचार्ज वसूला जाता है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की तकनीक को अपनाने की जरूरत है।

एक हजार करोड़ निवेश करेगी फ्रांस की कंपनी

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की अगुवाई में फ्रांस गए प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को वहां रोड शो व बैठकें की। इस दौरान फ्रांस की परटेक्स एनर्जी कंपनी के साथ प्रदेश में 1000 करोड़ के निवेश का एमओयू हुआ। ऑटोमोबाइल, रक्षा क्षेत्र, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल, आर्गेनिक, और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र की कंपनियों से भी वार्ता हुई। प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण और प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू इस दौरान मौजूद रहे।

पश्चिमी देशों की कंपनियां साझा करेंगी तकनीक

लखनऊ। जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन की कंपनियां यूपी के साथ अपनी तकनीक साझा करेंगी। वे यहां रिसर्च सेंटर भी खोलेंगी। इंडस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर में निवेश के लिए भी उनके साथ सहमति बनी है। यह कहना है पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद का। वे 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी, बेल्जियम और स्वीडन की यात्रा पर रहे थे।

जर्मनी, बेल्जियम व स्वीडन से लौटे पीडब्ल्यूडी मंत्री ने दी जानकारी

जितिन बताते हैं कि रोड शो के अलावा निवेशकों से अलग-अलग मुलाकात और सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात की गई। इंवेस्टर्स बैंकों के साथ मुलाकात काफी सफल रही। उनके शीर्ष प्रबंधन ने यूपी की विभिन्न परियोजनाओं में निवेश की इच्छा जताई। साथ ही यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में जानकारी भी ली। तीनों देशों में कंपनियों व सरकारों के चोटी के नुमाइंदों ने यूपी के श्रम कानूनों के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं को रखा, जिनका समाधान किया गया। बेल्जियम और स्वीडन में विदेश व्यापार मामलों के मंत्रियों से भी मुलाकात हुई। निवेशकों ने वाराणसी में निवेश के लिए इच्छा जताई। पश्चिमांचल, रुहेलखंड, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में उपलब्ध लैंड बैंक के बारे में भी निवेशकों को जानकारी दी गई। जितिन का कहना है कि यात्रा के दौरान यूपी में रक्षा क्षेत्र में रिसर्च सेंटर खोलने और तकनीक हस्तांतरण पर भी सहमति बनी। ब्यूरो